



Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री हनुमान मंत्र ॥
राम भक्त हनुमान जी की जय

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री हनुमान मंत्र ॥

मंत्र जप की सरल विधि

स्नान करके स्वच्छ वस्त्र पहनें और पूजा स्थान को शुद्ध करें।
भगवान श्रीराम एवं हनुमान जी का ध्यान करके दीपक जलाएँ।
अपनी श्रद्धा और समय के अनुसार 11, 21 या 108 बार मंत्र जप करें।
जप पूर्ण होने पर हनुमान जी से क्षमा एवं कृपा की प्रार्थना करें।

प्रमुख हनुमान मंत्र

1. मूल हनुमान मंत्र

ॐ हं हनुमते नमः ॥

यह संक्षिप्त मंत्र दैनिक जप और हनुमान जी के स्मरण के लिए है।

2. सरल हनुमान मंत्र

ॐ श्री हनुमते नमो नमः ॥

यह सरल मंत्र भक्ति, एकाग्रता और नियमित साधना के लिए जपा जाता है।

3. श्रीरामदूत मंत्र

ॐ रामदूताय नमः ॥

यह मंत्र हनुमान जी के श्रीराम-दूत स्वरूप को प्रणाम करता है।

4. हनुमान ध्यान मंत्र

मनोजवं मारुततुल्यवेगं जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम्।

वातात्मजं वानरयूथमुख्यं श्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये ॥

जप से पहले हनुमान जी का ध्यान करने हेतु इस श्लोक का पाठ करें।

5. हनुमान गायत्री मंत्र

ॐ आज्जनेयाय विद्महे वायुपुत्राय धीमहि।

तन्नो हनुमत् प्रचोदयात् ॥

बुद्धि, बल और सद्बुद्धि की प्रार्थना के रूप में इसका जप किया जाता है।

6. आज्जनेय महामंत्र

ॐ नमो भगवते आज्जनेयाय महाबलाय स्वाहा ॥

यह पारंपरिक मंत्र हनुमान जी के महाबली आज्जनेय स्वरूप को नमन करता है।

7. रुद्रात्मक हनुमान मंत्र

ॐ हं हनुमते रुद्रात्मकाय हुं फट् ॥

इसके शुद्ध उच्चारण हेतु योग्य आचार्य से मार्गदर्शन लेना उचित है।

8. वज्रदेह हनुमान मंत्र

ॐ श्री वज्रदेहाय रामभक्ताय वायुपुत्राय नमोऽस्तुते ॥

यह मंत्र हनुमान जी के वज्रदेह, रामभक्ति और वायुपुत्र स्वरूप को नमन करता है।

मंत्र जप का शुभ समय

मंगलवार और शनिवार को मंत्र जप विशेष शुभ माना जाता है।

सूर्योदय के बाद या संध्या समय शांत मन से जप कर सकते हैं।

विशेष नियम

जप के समय शुद्धता, श्रद्धा और नियमितता रखें।

सात्त्विक भोजन और शांत आचरण का पालन करें।

हनुमान जी के साथ भगवान श्रीराम का स्मरण अवश्य करें।

कठिन मंत्रों के शुद्ध उच्चारण हेतु योग्य आचार्य से मार्गदर्शन लें।